(b) if so, how far Government subscribe to the views expressed therein and what action is proposed to be taken against those guilty officials who had been responsible for the misuse of the TV media for their personal ends; and

(c) whether Government are aware that the persons responsible for misuse of the media are still at the helm of affairs and have not changed their attitude?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): (a) Yes, Sir.

(b) The matter is under examination for taking such action as is deemed appropriate.

(c) The misuse of mass media during the Emergency has been looked into by the Dass Committee. Government's decision on the finding of the Committee would cover action against persons found responsible. The media have, however, already changed its approach in tune with the Government policy.

Publicity material brought out by DAVP during emergency

3402. SHRI DURGA CHAND: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state the details of the publicity material brought out by DAVP during the emergency and at what cost?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): A sum of Rs. 338 lakhs was spent by DAVP on bringing out and distributing publicity material in support of various programmes launched during the emergency as follows:

	Rs. lakhs
Printed publicity	163
Advertising	118
Exhibitions	9
Outdoor Publicity	20
Distribution costs	28

अखबारी कागज का उत्पादन

3403. **श्री राघवजी** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश के अखबारी कागज का उत्पादन करने वाले कितने कारखाने हैं तथा उनकी उत्पादन क्षमता कितनी है ;

(ख) गत तीन वर्षों में पृथक पृथक अखबारी कागज का कितना उत्पादन हुआ तथा उनकी वार्षिक मांग कितनी है ; और

(ग) क्या सरकार अखबारी कागज उत्पादन में वृद्धि करने के लिए कोई योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्सम्बन्धी मुख्य बातें क्या हैं ?

उद्योग मंत्री (श्री जार्ज फर्नाण्डीज) : (क) सरकारी क्षेत्र का एक उपक्रम दी नेशनल न्यूजप्रिन्ट एण्ड पेपर मिल्स लि० नेपानगर देश में अखबारी कागज का उत्पादन करने वाला एकमात्र उपक्रम है । मिल अपनी 30,000 मी० टन की वार्षिक क्षमता को बढ़ाकर 75,000 मी० टन करने का एक विस्तार कार्यक्रम प्रारम्भ कर रही है । मिल में इस समय प्रतिवर्ष करीब 75,000 मी० टन अखबारी कागज का उत्पादन किया जा रहा है ।

(ख) पिछले तीन वर्षों में अखबारी कागज का उत्पादन इस प्रकार रहा :—

1974–75	54,000 मी० टन
1975–76	52,863 मी० टन
1976–77	57,690 मी० टन

अखबारी कागज की मौजूदा मांग 2.25 लाख मी० टन प्रतिवर्ष है ।

(ग) नशनल न्यूजप्रिन्ट एण्ड पेपर मिल्स की क्षमता बढ़ाकर 75,000 मी० टन प्रति वर्ष करने के अलावा, सरकारी क्षेत्र का एक उपक्रम हिन्दुस्तान पेपर कारपोरेशन, अखबारी कागज की केरल में 80,000 मी० टन वार्षिक क्षमता की एक परियोजना स्थापित कर रहा है । केरल अखबारी कागज परियोजना का पहले से ही क्रियान्वयन किया जा रहा है । तथा 1978 के अन्त तक इसके चालू हो जाने की आशा है । सरकार ने अखबारी कागज का उत्पादन करने के लिए निम्नलिखित परियोजनाओं को भी स्वीकृति दी है :—

1.	हरगोपाल एण्ड सन्स, अम्बाला कैन्ट .	पंजाब	30,000 मी० टन प्रति वर्ष
2.	रामगंगा पेपर मिल्स . .	उत्तर प्रदेश	30,000 मी० टन प्रति वर्ष
3.	पश्चिम बंगाल राज्य औद्योगिक विकास निगम	प० बंगाल	60,000 मी० टन प्रति वर्ष
4.	मैसूर पेपर मिल्स . . .	कर्नाटक	75,000 मी० टन प्रति वर्ष
5.	सेन्चुरी पल्प . . .	उत्तर प्रदेश	20,000 मी० टन प्रति वर्ष
6.	बी० डी० सोमानी . . .	उत्तर प्रदेश	25,000 मी० टन प्रति वर्ष

Reinstatement of Nagaland Officials

3404. SHRIMATI RANO M. SHAIZA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether some Nagaland Government Officials under suspension on charges of corruption were reinstated after the appointment of Vigilance Commission in the State;

(b) if so, how many such cases are there in the State;

(c) what is the total strength of persons employed in the Vigilance Commission; and

(d) what is the total number of Nagas and non-Nagas employed in the Vigilance Commission?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS: (SHRI CHARAN SINGH): (a) and (b). Yes, Sir. According to the Government of Nagaland, there have been five cases in which officials under suspension were reinsta-